E Learning Study Material

By Prof YADWENDRA SINGH

MAHARAJA COLLEGE ARA

VKS UNIVERSITY ARA BIHAR

BA PART 1st ECONOMICS HONS

PAPER THIRD

Meaning and Definition of Rent - Forms of Rent

कुल लगान (Gross Rent) = आर्थिक लगान + पूँजी पर ब्याज + प्रबन्ध पर व्यय + जोखिम का पुरस्कार

आर्थिक लगान को शुद्ध लगान भी कहा जा सकता है,

(2) आर्थिक लगान (Economic Rent) :- भूमिपति को केवल भूमि के उपयोग के बदले जो पुरस्कार दिया जाता है उसे आर्थिक लगान कहते हैं। रिकार्डो के अनुसार लगान भूमि की उपज का वह भाग है जो भूमिपति को भूमि की मौलिक एवं अविनाशी शक्तियों के प्रयोग के लिए दिया जाता है। (Rent is that portion of Produce of the earth which is paid to the landlord for the use of the original and indestructible powers of the Soil.) रिकार्डो (Ricardo) ने लगान शब्द का प्रयोग आर्थिक लगान के ही अर्थ में किया है। तथा अपने लगान के सिद्धान्त में उन्होंने आर्थिक लगान के निर्धारण की व्याख्या की है। इस प्रकार कुल लगान में से आर्थिक लगान को छोड़कर अन्य मदों को घटाने से जो शेष बचता है उसे आर्थिक लगान कहते हैं। पेन्सन (Penson) के अनुसार "इसका (आर्थिक लगान का) मतलब उस बचत से है

जो किसान के पास उत्पादन के सभी खर्च देने तथा अपने निजी श्रम के लिए पारिश्रमिक लेने के बाद शेष रहती है। इस प्रकार यह खर्चों के पश्चात फसल का आधिक्य है।" (It means the Surplus which remains to the Cultivator after he has all the expenses of production and has remunerated himself for his own productive efforts. In the sense it is the excess of the crop over expenses)

अतः आर्थिक लगान (Economic Rent) =

कुल लगान – पूँजी पर ब्याज + प्रबन्ध पर ब्याज + जोखिम पर पुरस्कार।

3. प्रसंविदा लगान (Contract Rent) - प्रसंविदा लगान वह है जो भूमिपति एवं किसान के बीच समझौते (Contract) के आधार पर तय होता है। किसान को भूमि देते समय भूमिपति उससे समझौता कर लेता है जिसके आधार पर किसान लगान देता है। प्रसंविदा लगान आर्थिक लगान से अधिक, उसके बराबर या उससे कम हो सकता है। जब भूमिपतियों एवं किसानों के बीच पूर्ण प्रतियोगिता होती है तो प्रसंविदा लगान आर्थिक लगान के बराबर होता है। जब भूमि की पूर्ति की अपेक्षा उसकी माँग अधिक होती है अथवा किरायेदारों के बीच भूमि के लिए आपसी प्रतियोगिता होती है तो प्रसंविदा लगान आर्थिक लगान से अधिक होता है, लेकिन जब भूमि की माँग की अपेक्षा उसकी पूर्ति अधिक होती है अथवा भूमिपतियों के बीच आपसी प्रतियोगिता होती है तो प्रसंविदा लगान आर्थिक लगान से कम होता है।